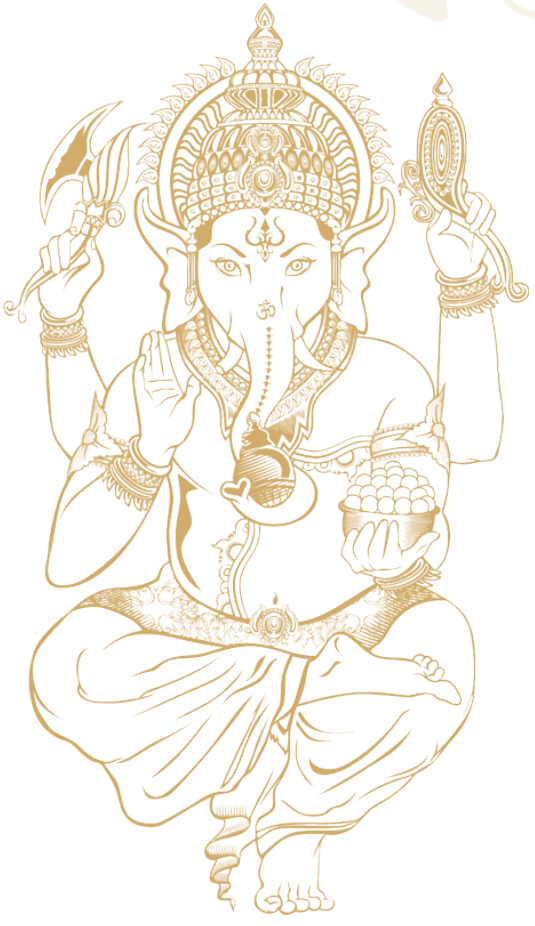

Deepansh

Ashatha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120846904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/11/1993	जन्म तिथि	20/10/1996
मंगल-बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 00:25:00	जन्म समय	16:12:00 घंटे
घटी 43:53:45	जन्म समय(घटी)	24:27:05 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Saharanpur
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:51:30	सूर्योदय	06:25:10
17:20:35	सूर्यास्त	17:43:42
23:46:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:46

विंशोत्तरी शनि 13वर्ष 2मा 7दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 0मा 16दि
केतु	13:41:17	सिंह	लग्न	मीन	02:09:06	राहु
31/01/2024	07:43:54	वृश्चि	सूर्य	तुला	03:30:32	06/11/2011
31/01/2031	07:24:47	मीन	चंद्र	मक	12:36:26	06/11/2029
केतु 28/06/2024	16:45:37	वृश्चि	मंगल	सिंह	00:37:39	राहु 19/07/2014
शुक्र 28/08/2025	18:09:53	तुला	बुध	कन्या	24:59:20	गुरु 12/12/2016
सूर्य 03/01/2026	09:01:35	तुला	गुरु	धनु	17:18:15	शनि 19/10/2019
चन्द्र 04/08/2026	24:39:26	तुला	शुक्र	सिंह	25:20:08	बुध 07/05/2022
मंगल 31/12/2026	00:27:53	कुंभ	शनि व	मीन	08:23:58	केतु 26/05/2023
राहु 19/01/2028	09:16:20	वृश्चि व	राहु	कन्या	14:03:55	शुक्र 26/05/2026
गुरु 25/12/2028	09:16:20	वृष व	केतु	मीन	14:03:55	सूर्य 19/04/2027
शनि 03/02/2030	25:47:25	धनु	हर्ष	मक	06:52:32	चन्द्र 18/10/2028
बुध 31/01/2031	25:24:00	धनु	नेप	मक	01:13:02	मंगल 06/11/2029
	01:53:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:50:24	

लग्न-चलित

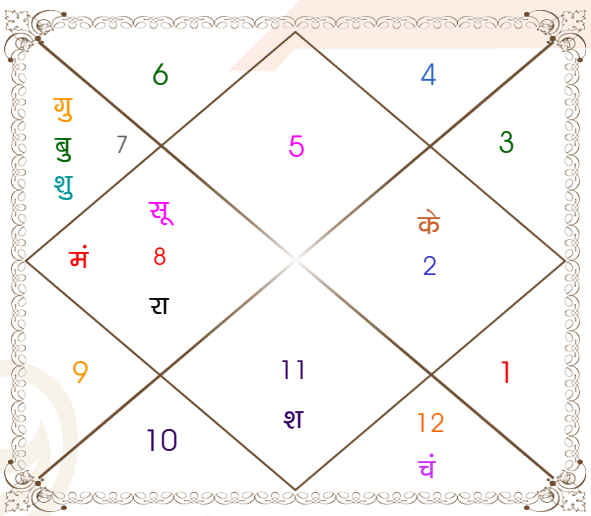

लग्न-चलित

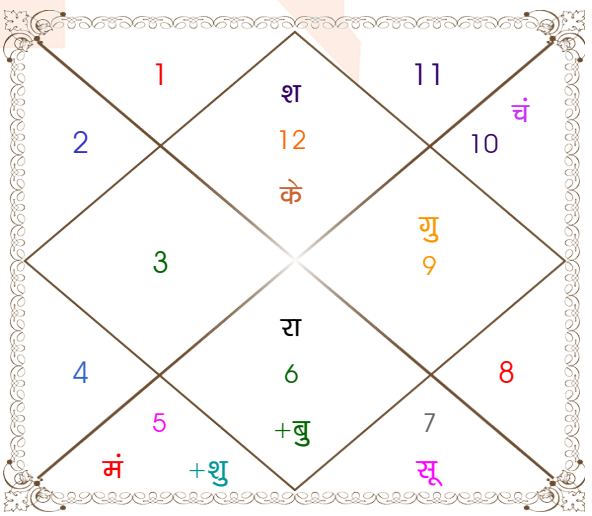

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

क्ममचंदी का वर्ग सर्प है तथा ोींजीं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचंदी और ोींजीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचंदी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल क्ममचंदी कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्ममचंदी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु क्ममचंदी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौंजीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौंजीं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचंदी तथा ौंजीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।